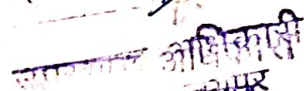


फर्द अहकाम

बनाम

न्यायालय का नाम :- उपखण्ड अधिकारी, जोबनेर

केस सं. / 202.....

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	4.12.24	<p>फरावली पेश दुर्ग। वादीगण एवं उनके अधिकारता अनुपस्थित। वादीगण को साप न्यायालय में पृथक-पृथक समग्र पर तीन-तीन बार शफाजे लगवायी गयी। बावजूद भावाज पगवानों के उपरांत भी वादीगण के न्यायालय में शफिर नहीं खाने के कारण फरावली अन्तर्गत भारेंका-वनिचम-3 के तहत अदम क्षत्री व भद्रम पेत्रवी में खारिज की जाती हैं। फरावली जैसल्व शुमार होकर नबंर ले कम होकर शखिस दफ्तर हो।</p> <p style="text-align: right;">               जयपुर           </p>